# कार्यालय राहत आयुक्त उत्तर प्रदेश, लखनऊ
एफ ब्लॉक, छठा तल, बापू भवन, उ0प्र0 सचिवालय, लखनऊ


संख्या–275 /रा0आ0का0/2019–20

प्रेषक,

जी0एस0 प्रियदर्शी,
राहत आयुक्त,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

राहत आयुक्त कार्यालय दिनांकः 18 जुलाई, 2019

**विषयः–वज्रपात के दौरान "क्या करें–क्या न करें" के संबंध में गाइडलाइन।**

महोदय,

चक्रवात, बाढ़, सूखा, भूकंप, वज्रपात और आंधी आदि के कारण प्राकृतिक आपदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से मानसून की अवधि के दौरान कई आपदाओं का खतरा रहता है। हाल के वर्षो में वज्रपात एक अत्यंत खतरनाक और प्रायः घटित होने वाली आपदाओं में से एक है। वज्रपात पृथ्वी पर सबसे पुरानी देखी गई प्राकृतिक घटनाओं में से एक है परन्तु आम जन–मानस के मध्य इसके प्रति जागरूकता का काफी अभाव है, जिसके कारण प्रदेश में बड़ी संख्या में जनहानियां हो रही है।

2-- वज्रपात एक प्राकृतिक आपदा– आसमान में अपोजिट एनर्जी के बादल हवा से उमड़ते और घुमड़ते रहते हैं। ये विपरीत दिशा में जाए हुए टकराते हैं। इससे होने वाले घर्षण से बिजली पैदा होती है जो धरती पर गिरती है। आसमान में किसी तरह का कंडक्टर न होने से बिजली पृथ्वी पर कंडक्टर की तलाश में पहुंच जाती है, जिससे नुकसान पहुंचता है। धरती पर पहुंचने के बाद बिजली को कंडक्टर की जरूरत पड़ती है। आकाशीय बिजली जब लोहे के खंभों के अगल– बगल से गुजरती है तो वह कंडक्टर का काम करता है। उस समय कोई व्यक्ति यदि उसके संपर्क में आता है तो उसकी जान तक जा सकती है।

3– आसमानी बिजली का असर ह्यूमन बॉडी पर कई गुना होता है। डीप बर्न होने से टिशूज डैमेज हो जाते हैं। उनको आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता है। बिजली का असर नर्वस सिस्टम पर पड़ता है। हार्ट अटैक होने से मौत हो जाती है। इसके असर से शारीरिक अपंगता का खतरा होता है। लोगों द्वारा जोखिम को कम करके और अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण बिजली गिरने और वज्रपात के दौरान चोट और मृत्यु हो जाती है।

4– उक्त के दृष्टिगत वज्रपात के नुकसान और नुकसान से बचने के लिए निम्नलिखित दिशा–निर्देश "क्या करें–क्या न करें" जारी किए जाते हैः–

## वज्रपात के दौरान घर या कार्यस्थल पर हों तो क्या करें और क्या न करें

**क्या करें–**

- आसमान में अंधेरा छा जाये और तेज हवा हो तो सतर्क हो जाएं।
- यदि आप गड़गड़ाहट सुनते हैं, तो समझ लें कि वज्रपात होने वाला है।
- जब तक बिल्कुल आवश्यक न हो, बाहर न जाएं। याद रखें, बिजली की चमक और गड़गड़ाहट के बीच सेकंड की गिनती करके और 3 से विभाजित करके, आप स्ट्राइक से अपनी दूरी का अनुमान लगा सकते हैं (किमी में)।
- अद्यतन जानकारी और चेतावनी निर्देशों के लिए स्थानीय मीडिया की निगरानी रखें।

- घर के अंदर रहें और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें। (अपने घर के बाहर खिड़कियों और दरवाजों और सुरक्षित वस्तुओं को बंद करें (जैसे, फर्नीचर, डिब्बे, आदि)
- सुनिश्चित करें कि बच्चे और जानवर अंदर हैं।
- अनावश्यक बिजली के उपकरणों को अनप्लग करें।
- पेड़ की लकड़ी या किसी अन्य मलबे को हटा दें जो हवा में उड़कर दुर्घटना का कारण बन सकता है।
- वज्रपात पशुधन के लिए एक बड़ा खतरा है। आंधी के दौरान पशुधन अक्सर पेड़ों के नीचे इकट्ठा हो जाता है, और एक ही वज्रपात में कई जानवरों की जान जा सकती है। वज्रपात के दौरान जानवरों को आश्रय में ले जाना चाहिए।

**क्या न करें–**

- स्नान करने से बचें और बहते पानी से दूर रहें, क्योंकि बिजली धातु के पाइप के साथ यात्रा कर सकती है।
- दरवाजे, खिड़कियां, स्टोव, रेडिएटर्स, सिंक, बाथटब या किसी अन्य इलेक्ट्रिकल कंडक्टर से दूर रहें।
- बिजली के उपकरणों का उपयोग करने से बचें।

## वज्रपात के दौरान बाहर/खुले में हों तो क्या करें और क्या न करें

**क्या करें–**

- तुरंत सुरक्षित आश्रय पर जाएं। इमारतें आश्रय के लिए सर्वोत्तम हैं लेकिन यदि कोई इमारत उपलब्ध नहीं है, तो आप एक गुफा, खाई या एक घाटी में सुरक्षा पा सकते हैं।
- यदि आपको कोई आश्रय नहीं मिल रहा है, तो क्षेत्र की सबसे ऊंची वस्तु से बचें। यदि आस–पास केवल पेड़ हैं तो जमीन में नीचे झुककर बैठ जाएं।
- नीची सतह वाले आश्रय के नीचे छुपें और सुनिश्चित करें कि चुने गये स्थान में बाढ़ की संभावना नहीं है।
- धातु की वस्तुओं और संरचनाओं से बचें।
- आपकी गर्दन या पीठ की त्वचा पर झुनझुनी होने लगे या बाल खड़े होने लगे तो समझे कि वज्रपात आसन्न है, तुरंत जमीन पर लेट जाएं।

**क्या न करें**

- जमीन पर सीधे न लेटें बल्कि बल्कि सिमट कर गठरीनुमा आकार में लेटें।
- फोन एवं बिजली के तार की फेन्सिग, पेड़ आदि से दूर रहें।
- पानी से बाहर निकलें। यदि छोटी नाव आदि में हैं तो भी तुरंत बाहर निकलें।
- पेड़ के नीचे कदापि शरण न लें क्योंकि लंबे पेड़ बिजली को आकर्षित करते हैं।
- रबर – सोल वाले जूते और कार के टायर बिजली से सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं।

## वज्रपात के दौरान यदि यात्रा कर रहें हों तो क्या करें और क्या न करें

**क्या करें–**

- साइकिल, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर आदि वाहनों से नीचे उतरें क्योकि यह बिजली को आकर्षित कर सकते हैं।

- एक सुरक्षित आश्रय में जाओ।
- यदि नौका विहार या तैराकी कर रहे हों तो पानी से निकलकर जल्दी से जल्दी जमीन में पहुंचे और शरण लें।
- तूफान के दौरान, आपके वाहन में तब तक रहें जब तक मदद नहीं पहुँचती या तूफान गुजर नहीं जाता (धातु की छत सुरक्षा प्रदान करेगी यदि आप अंदर धातु को नहीं छू रहे हैं), खिड़कियां ऊपर होनी चाहिए। गाड़ी को पेड़ों और बिजली लाइनों से दूर पार्क करें।

**निम्नलिखित वज्रपात के दृष्टिकोण से खतरनाक हैं:–**

- बड़े पेड़ों वाले जंगलों के किनारे के भाग।
- खुले स्थानों पर स्थित खलिहान, छोटे चर्च, चौपाल, लकड़ी की गाड़ियां, वॉच टॉवर, झोपड़ियां आदि खतरनाक हो सकती है।
- विद्युत लाइनें व धातु संरचनाएं।
- फ्लैग मास्ट, टीवी एंटीना मास्ट, पाइप या किसी भी वर्टिकल मेटल फिक्सचर के पास न जाएं।
- झीलें और स्विमिंग पूल।
- गोल्फ कोर्स और अन्य खुले मैदान। यहां वज्रपात की संभावना अधिक होती है।
- खड़ी चट्टानों और पहाड़ों का किनारा।
- पहाड़ी की चोटी। घाटी की तुलना में बिजली पहाड़ी से टकराती है।
- वज्रपात की सुरक्षा के बिना नाव और टेंट।
- घोड़े, साइकिल, मोटरसाइकिल या खुले ट्रैक्टर की सवारी करना।
- धातु के औजार जैसे कुदाल, कुल्हाड़ी, छाता, धातु का झूला, बगीचे की धातु की कुर्सी, आदि।
- खुले मैदान में या छोटे–असुरक्षित कमरों में लोगों की सभाएँ।
- कार के नजदीक या बाहर खड़ा होना।
- गैर–धातु वाले विमानों में उड़ान भरना।

**वज्रपात सुरक्षा के उपाय**

- बिजली की गतिविधि के दौरान सबसे सुरक्षित स्थान एक बड़ी और बन्द इमारत है, न कि पिकनिक शेल्टर या शेड। एक सुरक्षित भवन वह है जो छत, दीवारों और फर्श से पूरी तरह से घिरा हुआ है, जैसे कि घर, स्कूल, कार्यालय भवन या शॉपिंग सेंटर।
- एसयूवी, मिनीवैन, बस, ट्रैक्टर, आदि भी कुछ हद तक सुरक्षित हो सकते हैं। यदि आप अपने वाहन में आश्रय चाहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि सभी दरवाजे बंद हैं, और खिड़कियां बंद हैं। किसी भी धातु की सतहों को न छुएं।
- सुरक्षित आश्रय की तलाश करें जब आप पहली बार गड़गड़ाहट सुनते है तथा अंधेरे व गरज वाले बादल देखते हैं।
- लम्बे–लम्बे वृक्षों के नीचे आश्रय न लें। पेड़ आपको सूखा रहने में मदद कर सकता है, लेकिन बिजली की चपेट में आने से आपके जोखिम को बढ़ा देगा। बारिश आपको नहीं मारेगी, लेकिन बिजली मार सकती है!

## वज्रपात होने पर की जाने वाली सावधानियां

- धातु के औजार जैसे कुदाल, कुल्हाड़ी, छाता, धातु का झूला, बगीचे की धातु की कुर्सी, आदि।
- छाते, कैंची, चाकू आदि जैसी धातु की वस्तुओं से निकटता से बचें। यदि आप सेंट एल्मो फायर (कोरोना डिस्चार्ज) को देखते या सुनते हैं तो यह खतरा काफी गंभीर है।
- दोनों पैरों और घुटनों को मोड़कर फर्श पर बैठें जैसा नीचे दर्शाया गया है–

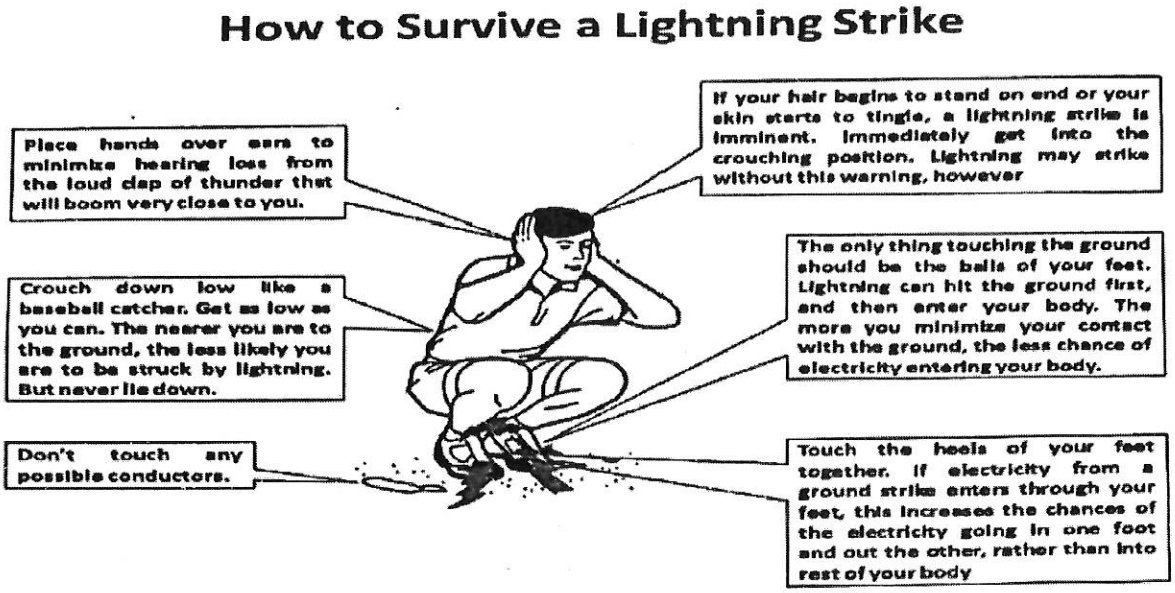


5– कृपया वज्रपात से बचाव हेतु उक्त दिशा–निर्देशों को पैम्फलेट, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया आदि के माध्यम से आम जन–मानस तक पहुँचाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

18/07/'19

( जी0एस0 प्रियदर्शी )
राहत आयुक्त।